RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : बुधवार 16 अगस्त 2023 | वर्ष 05 | अंक 112 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी ®

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

देश के 77वें स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने आवास पर झंडा फहराया

मुंबई : देश का 77वां स्वतंत्रता दिवस है. पूरे देश में उत्साह का माहौल है. जगह-जगह ध्वजारोहण हो रहा है.मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने वर्षा के आवास पर ध्वजारोहण किया. उन्होंने तिरंगे को सलामी दी ।महाराष्ट्र पुलिस बल द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपनी पत्नी, अपने बेटे सांसद श्रीकांत शिंदे, बहू और पोते के साथ तिरंगे को सलामी दी। मुख्यमंत्री शिंदे के साथ महाराष्ट्र पुलिस बल के अधिकारियों ने तिरंगे को सलामी दी. साथ ही इस मौके पर इन अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के साथ फोटो भी खिंचवाई.

छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए

60 करोड़ रुपये मंजूर

मुंबई : एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने हाल ही में ठाणे के कलवा में छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए 60 करोड़ रुपये मंजूर किए थे, जो शनिवार और रविवार के बीच 24 घंटे की अवधि में 18 मौतों के लिए खबरों में था।

रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए, ठाणे नगर निगम के प्रमुख अभिजीत बांगर ने कहा कि अस्पताल की बिस्तर क्षमता 500 से दोगुनी होकर 1,000 हो जाएगी, जबकि रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए अच्छी छात्रावास सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। बांगड़ ने बताया कि राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज को कलवा अस्पताल के परिसर से स्थानांतरित करने का काम चल रहा है और बुनियादी ढांचे में सुधार योजना अगले 10 महीनों के भीतर लागू की जाएगी।

उन्होंने कहा, 2022-23 के ठाणे नगर निगम के बजट में, स्वास्थ्य के लिए 317.20 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई थी, जिसमें से 10 करोड़ रुपये कलवा में अस्पताल और उसके परिसर में राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज में सुधार के लिए थे। सामाजिक कार्यकर्ता ताकी चौलकर ने मौतों के बारे में बोलते हुए कहा कि अस्पताल की स्थिति गंभीर है और तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है।

उन्होंने दावा किया कि निविदा संबंधी कुछ मुद्दों और कथित तौर पर पहले हुई धोखाधड़ी के कारण अस्पताल की फामेर्सी पिछले 10 वर्षों से बंद है।नाम न छापने की शर्त पर एक वरिष्ठ नागरिक डॉक्टर ने कहा कि अस्पताल में पूर्णकालिक डीन नहीं है, और कुप्रबंधन के कारण जिले के कई हिस्सों से अस्पताल में आने वाले गरीब मरीजों को परेशानी होती है। अस्पताल के एक पूर्व डीन ने एक सोशल मीडिया संदेश में दावा किया कि 2020 में उनके जाने के बाद से सुविधा में कोई पूर्णकालिक प्रमुख नहीं है और सात अधिकारियों ने अतिरिक्त प्रभार के रूप में पद संभाला है, जिससे मामलों में कोई मदद नहीं मिलती है।

पूर्व-शिवसेना नगरसेवक को मौत की धमकी के बाद

'लेडी डॉन' की तलाश

मुंबईः पुलिस ने पूर्व पार्षद और शिवसेना नेता परमेश्वर कदम की हत्या की साजिश रचने के आरोप में हिस्ट्रीशीटर करीमा शेख और उसके दो सहयोगियों की तलाश शुरू कर दी है। 'लेडी डॉन' के रूप में कुख्यात शेख को पहले करीमा मुजीब शाह के नाम से जाना जाता था और उसका हत्या, जबरन वसूली और हथियारों के अवैध व्यापार जैसे अपराधों का इतिहास रहा है। 'आपा' (बड़ी बहन) के नाम से भी मशहूर शेख अनाथ बच्चों को अपने संरक्षण में लेती है और उन्हें छोटे-मोटे अपराधों में धकेलती है।

घाटकोपर में कामराज नगर, जो एक कुख्यात झुग्गी बस्ती है, से कई वर्षों तक काम करते हुए उसने कथित तौर पर अनधिकृत घर बनाए और पैसा कमाने के लिए उन्हें बेच दिया या किराए पर दे दिया। शिकायतकर्ता कदम का दावा है कि वह भू-माफियाओं के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है, जिसमें शेख द्वारा संचालित माफिया भी शामिल है। कई बार गिरफ्तार किए जा चुके शेख को आखिरी बार 2020 में मुंबई पुलिस की एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने पकड़ा था। इसके बाद अदालत ने उसे घाटकोपर-विक्रोली क्षेत्र से बाहर कर दिया।

कदम ने आरोप लगाया है कि शेख अपने सभी ''गंदे कामों'' के लिए अकरम अंसारी की मदद लेती है और अपने कार्यालय में उसके माध्यम से मौत की धमकियां दे रही है। उन्होंने कहा कि धमकियां तब शुरू हुईं जब उन्होंने कामराज नगर में उनके अवैध भूमि कारोबार को चिह्नित किया, जिसके बाद बीएमसी ने इनमें से कुछ संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया। शेख के दूसरे सहयोगी की पहचान राधाकृष्ण हरिजन के रूप में की गई है।

भोईवाड़ा पुलिस ने एक व्यक्ति पर उस्तरा से हमला, हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

मुंबईः भोईवाड़ा पुलिस ने एक व्यक्ति पर उस्तरा से हमला करने के आरोप में एक हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता पुष्पेंद्र कुमार लोंधी ने शिकायत की कि जब वह सामान की डिलीवरी के लिए अपनी दुकान से बाहर आया, तो उसे आरोपी अमित सोरटे ने बुलाया, लेकिन उसने उस पर ध्यान नहीं दिया और आगे बढ़ गया। इससे उसे गुस्सा आ गया और उसने मोजे में रखा उस्तरा निकालकर लोंधी की गर्दन पर हमला कर दिया।

पालघर से लापता महिला का शव नदी में मिला

पालघर, पुलिस ने मंगलवार को बताया कि लापता होने के दो दिन बाद महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक 23 वर्षीय महिला का शव एक नदी में मिला है।

बोइसर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि पूजा दुबे नाम की महिला 11 अगस्त को नालासोपारा इलाके से लापता हो गई थी, जिसके बाद उसके पिता ने तुलिंज पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

उन्होंने बताया कि शिकायत में कहा गया है कि महिला दोपहर में एक कोचिंग सेंटर में कक्षाएं लेने गई थी, लेकिन घर नहीं लौटी। उन्होंने बताया कि 13 अगस्त को मछली पकड़ने के दौरान कुछ ग्रामीणों ने वैतरणा नदी में शव तैरता हुआ देखा और पुलिस को सूचित किया।. अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

चिंताजनक रुझान

कानून में एक नाबालिग की तस्करी के लिए आजीवन कारावास और जुमार्ने का भी प्रविधान है लेकिन सच यह है कि दर्ज किए गए मामलों में 10 प्रतिशत से भी कम मामलों में सजा हो पाती है। यही वजह है कि कानूनों की शिथिलता और मुकदमों की पैरवी ठीक से न होने के कारण तस्करी को बल मिलता है। बाल तस्करी में सबसे अधिक बच्चों का बचपन घायल होता है। किसी देश के लिए बच्चे उसकी सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। बच्चे ही देश का भविष्य तय करते हैं। इसलिए उनका संरक्षण राष्ट्र के लिए सर्वोपरि होना चाहिए। आज जब अमृतकाल में हम 77वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं तो भावी पीढ़ी के विषय में गंभीरता से सोचना बहुत समीचीन है।

यह किसी से छिपा नहीं कि देश की इस नई पीढ़ी के समक्ष बाल तस्करी बहुत बड़ी समस्या बनकर खड़ी है। इसमें फंसा बच्चा अपने बचपन, क्षमता और मानवीय गरिमा के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक विकास से भी वंचित रह जाता है। बचपन जीवन की सबसे सुंदर अवस्था है। बाल तस्करी का शिकार बच्चा जीवनभर उसकी तलाश करता रहता है। बच्चों के घरेलू काम, विभिन्न क्षेत्रों में बाल श्रम, भीख मांगना, अंग तस्करी और देह व्यापार जैसी अवैध गतिविधियां बाल तस्करी की कोख से ही जन्म लेती हैं। पिछले दिनों भारत में बाल तस्करी पर एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई है। यह रिपोर्ट 2016 से 2022 के बीच 21 राज्यों और 262 जिलों में बाल तस्करी से जुड़े आंकड़ों पर आधारित है। इसके अनुसार देश में बच्चों की तस्करी के मामलों में उत्तर प्रदेश पहले, जबकि बिहार और आंध्र प्रदेश क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। जिलों की बाल तस्करी से जुड़े मामलों में जयपुर पहले स्थान पर रहा। सूची में अन्य चार शीर्ष जिले देश की राजधानी दिल्ली में रहे। होटल एवं ढाबों पर 15.6 प्रतिशत, परिवहन उद्योग में 13 प्रतिशत और कपड़ा उद्योग में 11.18 प्रतिशत बच्चे मजदूरी करते पाए गए। कास्मेटिक उद्योग में पांच से आठ साल के बच्चे बाल मजदूरी में संलग्न पाए गए। हालांकि रिपोर्ट यह भी बताती है कि देश में बाल तस्करी से जुड़ी जागरूकता के चलते आज अनेक मामले दर्ज हो रहे हैं। इसी का परिणाम है कि इस अवधि में 18 वर्ष से कम उम्र के 13,549 नाबालिग बच्चों को इससे बचाया भी गया है। यहां लड़कियों एवं महिलाओं के गायब होने से जुड़ी राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की हालिया रिपोर्ट भी उल्लेखनीय है। इसके आंकड़े बताते हैं कि 2019 से 2021 के बीच तीन वर्षों में देश में 13.13 लाख से अधिक लड़कियां एवं महिलाएं लापता हुईं। इनमें से ज्यादातर लड़कियां मध्य प्रदेश और उसके बाद बंगाल से गायब हुईं।

बाल तस्करी और लापता बच्चों से संबंधित ये दोनों रिपोर्ट इस बिंदु पर सहमत हैं कि भारत में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है। इनमें से अधिकांश की तस्करी की गई होती है, जिन्हें अंततः जबरन श्रम, गुलामी और देह व्यापार में झोंक दिया जाता है। बाल तस्करी से जुड़े कारणों की पड़ताल करने से ज्ञात होता है कि गरीबी के साथ-साथ भुखमरी, अशिक्षा, बेरोजगारी तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को भरण-पोषण के लिए आर्थिक सहारे की जरूरत जैसे कारक बच्चों को घर से बाहर निकलने को मजबूर करते हैं।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

सत्य की जीतः सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद नवाब मलिक को अस्पताल से छुट्टी मिलने पर सुप्रिया सुले

मुंबई : एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और पार्टी नेता नवाब मलिक का सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतरिम जमानत दिए जाने के तीन दिन बाद यहां एक निजी अस्पताल से बाहर निकलना ''सच्चाई की जीत'' है। ''मैं यहां अपने भाई को लेने आया हूं। सत्यमेव जयते!'' सुले ने कहा कि मलिक को रात करीब आठ बजे उपनगरीय कुर्ला के निजी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जहां न्यायिक हिरासत में रहते हुए उनका इलाज चल रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते मलिक को दो महीने की अंतरिम जमानत दी थी, जिन्हें 2022 की शुरूआत में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था।

''मैंने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि नवाब मलिक या पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख या शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत की गिरफ्तारी दुर्भाग्यपूर्ण थी। आखिरकार, हमें अदालत के माध्यम से न्याय मिला,''सुले ने संवाददाताओं से कहा। मलिक की बेटी और भाई की कुछ दिन पहले उपमुख्यमंत्री और राकांपा नेता अजित पवार से मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर सुले ने कहा कि वह किसी राजनीतिक कारण से अस्पताल नहीं गयी थीं। अजित पवार के वफादार नरेंद्र राणे द्वारा अपने कई समर्थकों को अस्पताल के बाहर मलिक का स्वागत करने के लिए कहने के बारे में पूछे जाने पर सुले ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी।

''जब अनिल देशमुख रिहा हुए तो मैं उन्हें लेने आया था। वैसे ही मैं यहां नवाब भाई को रिसीव करने आया हूं. दुर्भाग्य से, उन्हें अन्याय का सामना करना पड़ा और उन्होंने इसे लंबे समय तक सहन किया। सच आखिरकार अदालत के माध्यम से सामने आ गया है।' यह हम सभी के लिए बड़ी राहत है।' वह हम सभी के लिए बहुत कठिन समय था, ''उसने कहा।

सुले ने कहा कि उन्होंने मलिक और देशमुख के परिवार के सदस्यों की पीड़ा को करीब से देखा है। ''अदालत ने आखिरकार मलिक को दो महीने के लिए जमानत दे दी है। मुझे उम्मीद है कि इसे और बढ़ाया जाएगा. मैं उसे न्याय देने के लिए अदालत की आभारी हूं, ''उसने कहा।जब उनसे मलिक को किसी भी मीडिया बातचीत से प्रतिबंधित किए जाने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसे किसी भी आदेश की जानकारी नहीं है।

इस पार्टी के साथ बिना शरद पवार के लोकसभा चुनाव लड़ेंगे उद्धव ठाकरे?

मुंबई : अजित पवार और शरद पवार की मुलाकात ने महाराष्ट्र की राजनीति को अलग ही दिशा दे दी है. माना जा रहा है कि ठाकरे गुट और कांग्रेस शरद पवार की एनसीपी के बिना ही चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है. इसी के बीच उद्धव ठाकरे लोकसभा चुनाव की पृष्ठभूमि की समीक्षा करने वाले हैं. 48 लोकसभा सीटों की बुधवार से ठाकरे समूह समीक्षा करेगा. 16 से 19 अगस्त के बीच पहले चरण में कुल 16 लोकसभा क्षेत्रों की समीक्षा की जाएगी. अजित पवार और शरद पवार की मुलाकात से महाविकास अघाड़ी में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है. कांग्रेस और शिवसेना ठाकरे समूह बुधवार से लोकसभा चुनाव के लिए अपनी-अपनी पार्टियों की तैयारियों को लेकर बैठकें करेंगी. ठाकरे समूह की बैठकों के पहले चरण में एनसीपी के गढ़ बारामती लोकसभा क्षेत्र की समीक्षा की गई है. 18 अगस्त को इसकी समीक्षा की जाएगी. क्षेत्रवार बैठक में निर्वाचन क्षेत्र संपर्क नेता, स्थानीय उपनेता, जिला संपर्क प्रमुख, स्थानीय मंडल महिला संघ, जिला प्रमुख, सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, उपजिला प्रमुख, तालुका प्रमुख, शहर प्रमुख भाग लेंगे. अजित पवार के गुट के बीजेपी में शामिल होने के बाद भी शरद पवार की स्थिति स्पष्ट नहीं है. अगर आने वाले समय में शरद पवार स्पष्ट रुख नहीं अपनाते हैं, तो शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस बिना एनसीपी के लड़ने का प्लान बी तैयार कर रही है. एबीपी माझा के मुताबिक, सूत्रों ने जानकारी दी है कि दो दिन पहले उद्धव ठाकरे और नाना पटोले के बीच मुलाकात हुई थी.

मुंबई में 15 अगस्त के बाद प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल करने पर लगेगा पांच हजार का जुमार्ना

मुंबई : मुंबई में प्लास्टिक के धड़ल्ले से हो रहे इस्तेमाल को लेकर बीएमसी कड़े कदम उठाने जा रही है. बीएमसी ने इसके लिए पांच लोगों की टीम बनाई है जो प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वाले वेंडर्स के खिलाफ एक्शन लेगी. मुंबई वालों के हाथ में 50 माइक्रोन से कम के प्लास्टिक बैग पाए जाने पर सीधे 5,000 रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा. अब तक बीएमसी दुकानदारों के खिलाफ ही करवाई करती थी, लेकिन अब गणपति उत्सव के पहले बीएमसी प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों पर भी नजर रखेगी.

मुंबई के प्रभादेवी इलाके में सब्जी खरीद रहे ग्राहकों ने एबीपी न्यूज को बताया कि बीएमसी का निर्णय सही है, लेकिन ग्राहकों पर जुमार्ना नहीं लगाना चाहिए. दुकानदारों या सब्जी विक्रेताओं को प्लास्टिक की थैली नहीं रखनी चाहिए. वहीं सरकार हमें कोई और विकल्प नहीं देती हैं, इसीलिए

नागरिक भी इतने लापरवाह हो जाते हैं. हालांकि नागरिकों को अपनी जिम्मेदारी निभानी जरूरी हैं. वहीं इलाके में सब्जे बेच रहे सत्यम ने बताया कि बीएमसी उन पर भी करवाई करती है. हालांकि ग्राहक कभी अपने बैग लेकर नहीं आते हैं और थैली की मांग करते हैं. नागरिकों को जिम्मेदारी उठानी चाहिए. हम अगर थैली नहीं रखेंगे तो ग्राहक हमसे समान नहीं लेंगे.

प्लास्टिक के इस्तेमाल पर एक्शन तेज

मुंबई में अक्सर देखा गया है कि प्लास्टिक कचरे के कारण पानी ओवरफ्लो हो जाता है. इसलिए अब प्लास्टिक विरोधी कार्रवाई तेज कर दी गई है.

व्यापारी से 10 करोड़ रुपये ठगने के आरोप में 10 लोगों पर मामला दर्ज

ठाणे : ठाणे पुलिस ने एक व्यापारी से 10.3 करोड़ रुपये की कथित तौर पर धोखाधड़ी करने को लेकर 10 लोगों के खिलाफ एक मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्राथमिकी के मुताबिक, जिजाऊ सामाजिक संगठन चलाने वाले और एक निर्माण कंपनी के संस्थापक नीलेश सांबरे व उनकी कंपनी को आरोपियों ने पालघर जिले के वढवाण में एक जमीन खरीदने का कथित तौर पर लालच दिया, जहां एक बंदरगाह बन रहा है। प्राथमिकी में बताया गया कि आरोपियों ने व्यापारी को एक प्रख्यात व्यापार कंपनी में हिस्सेदारी का आश्वासन देकर उससे कथित रूप से रुपये ऐंठ लिए। एक अधिकारी ने बताया कि 10 अगस्त को आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत नौपाडा पुलिस ने एक मामला दर्ज किया है। इस संबंध में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

मुंबई में स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी से मचा हड़कंप...

छह माह में फर्जी कॉल करने के 9 आरोपित गिरफ्तार

मुंबई : आजादी के जश्न से एक दिन पहले किसी शरारती तत्व ने मुंबई पुलिस को फोन कर नालासोपारा स्थित ब्लूमिंग बर्ड हाईस्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दे डाली। सूचना पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आनन-फानन तुलिंज थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्कूल परिसर को खाली कराया। सभी छात्रों के स्कूल बैग की जांच की गई। पालघर और ठाणे के बम स्क्वायड ने भी मौके पर पहुंचकर बम की तलाश की लेकिन कुछ बरामद नहीं हुआ। जांच में सामने आया कि काल फर्जी था। मामले में नालासोपारा के अछोले पुलिस स्टेशन में एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

स्कूल परिसर को कराया गया खाली

अछोले मंडल के एसीपी विनायक नराले ने बताया कि

सोमवार दोपहर तकरीबन 3:30 बजे अछोले थाने के लैंडलाइन नंबर पर फोन आया। सूचना पर टीम मौके पर पहुंच गई और स्कूल परिसर को खाली कराया गया। हमने सभी बच्चों के स्कूल बैगों की जांच की लेकिन कुछ नहीं मिला। हमारे पास मीरा-भयंदर-वसई-विरार (एमबीवीवी) क्षेत्र में बम स्क्वैड नहीं है। इस कारण मदद के लिए हमने पालघर और ठाणे के बम स्क्वायड टीम को सूचित किया। दोनों टीमों ने भी मौके पर जांच की लेकिन जांच के बाद सामने आया कि काल फर्जी था।

बढ़ोतरी हुई है फर्जी कॉलों की संख्या

स्वतंत्रता दिवस के नजदीक आने के साथ ही फर्जी कालों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। गत छह माह में पुलिस ने 25 मामले दर्ज कर नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने सोमवार को ही लातूर से एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। उसने गत 12 अगस्त को हेल्पलाइन नंबर 1903 पर काल कर दावा किया था कि 15 अगस्त को दादर क्षेत्र में सीरियल ब्लास्ट होने की धमकी दी थी।

शहर को 100 किग्रा आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

पुलिस ने गत रविवार को शहर को 100 किग्रा आरडीएक्स उड़ाने का धमकी भरा काल करने के आरोपित रुखसार मुख्तार अहमद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित रुखसार अहमद ने गत पांच माह में विभिन्न शिकायतें करने के लिए कंट्रोल रूम में 79 बार काल किया था। गत मंगलवार को मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र मंत्रालय पर एक-दो दिन में आतंकी हमला होने का धमकी भरा काल करने के आरोपित प्रकाश किशनचंद खेमानी को गिरफ्तार किया था। वहीं छह अगस्त को भी मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में लोकल ट्रेनों में सीरियल ब्लास्ट किए जाने धमकी देने के आरोपित विले पार्ले निवासी अशोक मुखियार को गिरफ्तार किया था।

अजित गुट के प्रफुल्ल पटेल-सुनील तटकरे ने नवाब मलिक से की मुलाकात, माने जाते हैं शरद पवार के करीबी

मुंबई : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार गुट का समर्थन करने वाले नेता प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे ने मंगलवार (15 अगस्त) को पार्टी के विधायक नवाब मलिक से मुलाकात की. मलिक को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत दी है. इस मुलाकात के बाद प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि किसी भी तरह के राजनीतिक मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई. वहीं, राज्य के पूर्व मंत्री मलिक और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बीच संभावित बैठक के बारे में पूछे जाने पर प्रफुल्ल पटेल ने कहा अजित पवार निश्चित तौर पर नवाब मलिक से मुलाकात करेंगे.

मुलाकात को लेकर क्या बोले प्रफुल्ल पटेल?

वहीं, पटेल और तटकरे मलिक से मुलाकात करने उनके आवास पर पहुंचे थे. इस मुलाकात की कई तस्वीरें भी सामने आई हैं. इसमें वह एनसीपी विधायक को मिठाई देते हुए दिखे. पत्रकारों से बातचीत के दौरान राज्यसभा सदस्य प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि यह नवाब मलिक के साथ शिष्टाचार भेंट थी. हमने उनका हालचाल पूछा. उन्होंने करीब 16 महीने जेल में बिताए. उनसे मुलाकात करना हमारा कर्तव्य है क्योंकि हम पिछले 25-30 सालों से साथ रहे हैं. प्रफुल्ल पटेल ने आगे कहा, ''मैं उनके स्वास्थ्य को देखते हुए सभी से नवाब मलिक को स्वस्थ होने के लिए कुछ वक्त देने का अनुरोध करूंगा. उन्हें किडनी से जुड़ी दिक्कतें हैं.'' ईडी और आईटी विभाग की जांच का सामना कर रहे एनसीपी नेताओं के अजित पवार गुट का समर्थन करने के संबंध में पूछे गए सवाल पर पटेल ने कहा, ''हमने जो राजनीतिक कदम उठाया है वह सभी के सामने है और सभी को स्पष्ट है. इस पर हमारी ओर से कोई टिप्पणी नहीं होगी.''

2022 में हुई थी गिरफ्तारी

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक को इससे पहले एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था. अब उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है. इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दो महीने की अंतरिम जमानत दी थी. इस मामले में उन्हें 2022 की शुरूआत में गिरफ्तार किया गया था.

राज्य में सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था खुद बीमार है - पटोले

मुंबई : राज्य में सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था खुद बीमार है यानी वेंटिलेटर पर है। अस्पतालों में डॉक्टर, नर्स और दवाइयां नहीं हैं और फिर भी सरकार घोषणा करती है कि १५ अगस्त से सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज किया जाएगा। यह महज खोखली घोषणा है और अपनी पीठ खुद थपथपाने जैसा है, यह बात कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कही।

उन्होंने आगे कहा कि ठाणे मनपा अस्पताल में एक ही रात में १८ लोगों की मौत होना राज्य के लिए शर्मनाक घटना है। दो दिन पहले इसी अस्पताल में ५ लोगों की मौत हो गई थी, लेकिन सरकार की आंखें नहीं खुलीं। केईएम अस्पताल में एक बच्चे का हाथ काटने की नौबत आ गई, जबकि नासिक जिले के इगतपुरी तालुका

में एक गर्भवती आदिवासी महिला की भी इसी तरह की लापरवाही के कारण मौत हो गई। राज्य की भ्रष्ट सरकार के खिलाफ इस बारे में जांच करानी चाहिए।

तिलक भवन में सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि ठाणे के अस्पताल में मासूमों की मौत हो गई। ये हाल मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के शहर का है तो फिर राज्य के अन्य जिलों और ग्रामीण इलाके का क्या हाल होगा? इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

राष्ट्रीय और राज्यस्तर पर भाजपा को लेकर हमारी स्थिति स्पष्ट है - पवार

मुंबई : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में कोई भ्रम का माहौल नहीं है, जो लोग भाजपा के साथ गए हैं, उनसे हमारा कोई संबंध नहीं है। एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने यह स्पष्ट करते हुए कहा कि बार-बार इस विषय पर सवाल पूछकर जनता के बीच भ्रम पैदा न करें। बारामती में पत्रकारों से बात करते हुए शरद पवार ने कहा कि हम महाविकास आघाड़ी में एक साथ आए हैं। राष्ट्रीय और राज्यस्तर पर भाजपा को लेकर हमारी स्थिति स्पष्ट है। हमारे पास भाजपा से संबंधित संस्थाओं के साथ संबंध रखने की कोई वजह नहीं है। उन्होंने कहा कि महाविकास आघाड़ी की बैठक आगामी ३१ अगस्त को मुंबई में हो रही है। १ सितंबर को हयात होटल में इंडिया' की मीटिंग है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्षप्रमुख, पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले इसका आयोजन करेंगे। हम इसे पूरी तरह से सफल बनाएंगे। कांग्रेस की ओर से इस बैठक में कौन शामिल होगा, इसकी जानकारी नहीं है। पवार ने कहा कि मविआ में प्रकाश आंबेडकर को लेकर अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई है।

राज्य के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में दोहरी बुआई का संकट है। इस बारे में पवार ने कहा कि राज्य में सूखे का संकट है। अभी से बारामती जैसी जगहों पर टैंकर लगाए जा रहे हैं। कुछ जगहों पर लोग चारा शिविर शुरू करने की मांग करने लगे हैं। इसका मुख्य कारण कुछ इलाकों में बारिश की कमी है। पवार ने अपील की कि राज्य सरकार को इस संकट को गंभीरता से लेना चाहिए और किसानों के लिए खड़ा होना चाहिए।

ठाणे नागरिक अस्पताल में तीन और मरीजों की मौत, मरने वालों की संख्या 21 हुई

मुंबई : ठाणे जिले के कलवा में नगर निगम द्वारा संचालित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में तीन और मरीजों की मौत हो गई, जिससे पिछले शनिवार से मरने वालों की संख्या 21 हो गई है। अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि अधिकारियों ने उन मरीजों को स्थानांतरित करना शुरू कर दिया है जो गंभीर स्थिति में नहीं हैं और यदि वे स्थानांतरित होने के इच्छुक हैं तो पास के एक सिविल अस्पताल में नए भर्ती हैं।

ठाणे के अतिरिक्त नगर आयुक्त (स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभारी) संदीप मालवी ने कहा कि सोमवार सुबह समाप्त 24 घंटे की अवधि में, नगर निगम द्वारा संचालित अस्पताल में तीन और मरीजों की मौत हो गई, जबकि एक मरीज को मृत लाया गया था। हालाँकि, उन्होंने उनकी मौत के कारणों का खुलासा नहीं किया। मालवी ने दावा किया कि कलवा स्थित अस्पताल में पिछले 24 घंटों में मौतों की संख्या में कमी आई है और विवरण संकलित और विश्लेषण किया जा रहा है।

सीएसएम अस्पताल ने शनिवार और रविवार के बीच 24 घंटे की अवधि में 18 मौतों की सूचना दी थी, जिसके बाद मुख्यमंत्री शिंदे ने मौतों के नैदानिक पहलू की जांच करने के लिए एक स्वतंत्र समिति गठित करने का आदेश दिया।

इसके साथ ही, पिछले शनिवार से नगर निगम द्वारा संचालित सुविधा में 21 मरीजों की मौत हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, सीएसएम अस्पताल ''अतिभारित'' था और अपनी 500 की क्षमता के मुकाबले प्रतिदिन लगभग 600 मरीजों का इलाज कर रहा था। ठाणे के पूर्व मेयर नरेश म्हाकसे, जो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के प्रवक्ता भी हैं, ने रविवार को कहा कि शहर में पास में स्थित सिविल अस्पताल का नवीनीकरण किया जा रहा है, इसलिए भार कलवा सुविधा पर पड़ता है।

सीएसएम अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनिरुद्ध मालगांवकर ने सोमवार को कहा कि मरीजों को सिविल अस्पताल में स्थानांतरित करने का विकल्प उन पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा, ''हम केवल उन्हीं मरीजों को स्थानांतरित करेंगे जो ठीक हो रहे हैं और नए भर्ती मरीजों में से हैं।'' उन्होंने दावा किया कि सीएसएम अस्पताल प्रतिदिन लगभग 150 नए मरीजों को भर्ती करता है, जिससे इसका भार काफी बढ़ गया है। अधिकारियों के अनुसार, सीएसएम अस्पताल से थोड़ी दूरी पर स्थित सिविल अस्पताल की क्षमता 350 बिस्तरों की है और इसकी अधिभोग क्षमता लगभग 50 प्रतिशत है।

पिछले एक दिन में 18 की तुलना में पिछले 24 घंटों में तीन मौतों के बारे में पूछे जाने पर, एक नागरिक अधिकारी ने शनिवार को कहा और इसके कुछ दिन पहले, कुछ बेहद गंभीर रोगियों को सीएसएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने कहा, मरीजों की मौत कम समय में हुई और इसलिए लोगों का ध्यान आकर्षित हुआ।

अधिकारी ने कहा कि 18 मृत मरीजों में से अधिकांश की उम्र 50 वर्ष से अधिक थी और कई को निजी चिकित्सा सुविधाओं से सीएसएम अस्पताल में रेफर किया गया था। उन्होंने दावा किया, ह्य'किसी भी तरह की चिकित्सकीय लापरवाही नहीं हुई है।'' उन्होंने कहा कि अस्पताल का स्टाफ बेहद सहयोगात्मक है। इस बीच, मुख्यमंत्री शिंदे ने सोमवार को सीएसएम अस्पताल का दौरा किया और मरीजों, उनके रिश्तेदारों से बातचीत की और मरीजों की आमद के प्रबंधन के लिए मौजूदा स्टाफ और अतिरिक्त कर्मियों की आवश्यकता की भी समीक्षा की।

बीडीडी चाल वासियों को पहले चरण में पौने तीन लाख लोगों को मिल सकेगा आवास

मुंबई : वर्ली के बीडीडी चाल वासियों को अगले साल के अंत तक नए आवास मिलेंगे। इस तरह का विश्वास कल शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता व विधायक आदित्य ठाकरे ने व्यक्त किया। इसके साथ ही आदित्य ठाकरे ने वर्ली बीडीडी चाल पुनर्विकास परियोजना स्थल का दौरा कर जारी निर्माण कार्यों की समीक्षा भी की। आदित्य ठाकरे कल दोपहर वर्ली स्थिति बीडीडी चाल पुनर्विकास परियोजना स्थल पर पहुंचे। वहां उन्होंने निमार्णाधीन इमारतों के कामों का निरीक्षण किया। इस बीच उन्हें जानकारी दी गई कि २५वीं मंजिल तक निर्माण कार्य पूरा हो गया है। बीडीडी चाल वासियों को मिलनेवाला घर वैष्ठसा होगा, उसकी समीक्षा भी उन्होंने की। इमारत के तीसरी मंजिल पर बनाए गए फ्लैट के नमूने का भी उन्होंने बड़ी ही बारीकी से मुआयना किया। इसके बाद उन्होंने परियोजना के इंजीनियरों से चर्चा कर काम के बारे में जानकारी ली। बाद में आदित्य ठाकरे ने मीडिया से भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि महाविकास आघाड़ी सरकार के कार्यकाल में मुख्यमंत्री रहते हुए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने वर्ली स्थित बीडीडी चाल पुनर्विकास परियोजना का उद्घाटन किया था। बीडीडी चाल वासियों को तीन वर्षों में आवास दे देंगे, ऐसा वचन भी उन्होंने दिया था। अब २५ मंजिल तक इमारत का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। ऐसे में पहले चरण में पौने तीन लाख लोगों को आवास मिल सकेगा। इसके लिए काम रफ्तार के साथ पूरा किया जाना आवश्यक है।

सांताक्रूज में आग, एक की मौत

मुंबई : सांताक्रूज में एक छह मंजिला इमारत में आग लग गई। इस आग की घटना में आग के धुएं से दम घुटने के कारण एक बुजुर्ग की मौत हो गई. इमारत के जिस घर में आग लगी थी उसमे तीन कमरों के फ्लैट में रहने वाले दंपत्ति में से एक नितेश जोशी की हादसे में मौत हुई सांताक्रूज पश्चिम के टैगोर रोड स्थित पोद्दार स्कूल के सामने हरप्रीत बिल्डिंग में मंगलवार दोपहर अचानक आग लग गई। छह मंजिला इस इमारत की छठी मंजिल पर एक फ्लैट में दोपहर करीब साढ़े तीन बजे आग लगी थी . इस आग के कारण बिल्डिंग में धुआं फैल गया. दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और इमारत में रहने वालों को सुरक्षित बाहर निकाला।

तीन महीने में ३ .७ प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंची विकास दर

मुंबई : हाल ही में सरकार ने तिमाही के आंकड़े जारी किए हैं। पर ये आंकड़े निराश करनेवाले हैं क्योंकि जून का औद्योगिक विकास काफी धीमा रहा है। यह तीन महीनें के अपने सबसे निचले पायदान पर रहा और इसकी विकास दर मात्र ३.७ प्रतिशत रही। इसके साथ ही बिजली उत्पादन की विकास दर में भी काफी गिरावट दर्ज की गई है।

बाजार के जानकार बताते हैं कि मुख्य रूप से विनिर्माण क्षेत्र के कमजोर प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि धीमी पड़ी है। ह्यएनएसओ' (राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय) के गत सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आधार पर मापे जाने वाले औद्योगिक उत्पादन में पिछले साल इसी महीने में कमजोर तुलनात्मक आधार के कारण १२.६ प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इससे पहले, मार्च २०२३ में आईआईपी में १.९ प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। उसके बाद, अप्रैल में बढ़कर यह ४.५ प्रतिशत और मई महीने में ५.३ प्रतिशत रही थी। आंकड़ों के अनुसार, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में अप्रैल-जून के दौरान ४.५ प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो २०२२ की इसी तिमाही में १२.९ प्रतिशत थी।

कहीं धरती खिसकी तो कहीं बादल फटा...

हिमाचल में 24 घंटे में 50 लोगों की मौत

शिमला के शिव मंदिर पर टूटा पहाड़, सोलन में एक ही परिवार के 7 लोगों की गई जान

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में दो दिन से तेज बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटे में लैंडस्लाइड, बादल फटने और बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में 50 लोगों की जान चली गई है। मौसम विभाग ने राज्य में 16 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। शिमला के समरहिल इलाके में स्थित शिव बावड़ी मंदिर भारी बारिश की वजह से भूस्खलन की चपेट में आ गया। 25 से ज्यादा लोग मलबे में दब गए। अब तक 2 बच्चों समेत 6 शव निकाले जा चुके हैं। बाकी की तलाश जारी है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश ने एक बार फिर से तबाही मचाई है। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में दो स्थानों पर भूस्खलन होने से 12 लोगों की मौत हो चुकी है।

वहीं बादल फटने और लैंडस्लाइड से जुड़े हादसों में अब तक 50 लोगों की मौत हो चुकी है। शिमला का समरहिल स्थित शिव मंदिर भी भूस्खलन की चपेट में आ गया है। यहां से अब तक चार शव निकाले जा चुके हैं। कई लोग अभी मलबे में दबे हुए हैं। शिमला के आसपास के इलाकों से अब तक 8 शव निकाले गए हैं। वहीं मंडी के पंचवक्त्र मंदिर में भी एक बार फिर पानी भर गया है। हिमाचल के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अगले दो दिन के लिए सैलानियों से हिमाचल न आने की अपील की है। यही हाल उत्तराखंड का है। चमोली में बारिश ने जमकर तबाही मचाई है।

आगामी त्योहारों में यात्री वाहनों की बिक्री के 10 लाख इकाई का आकंड़ा पार करने की उम्मीद

नई दिल्ली: त्योहारों के दौरान इस साल घरेलू यात्री वाहन की बिक्री के 10 लाख इकाई का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है। इस वर्ष 68 दिन के त्योहारों का मौसम 17 अगस्त से शुरू होकर 14 नवंबर तक चलेगा। हालांकि, इस अवधि में कुछ दिन खरीदारी के लिए शुभ नहीं माने जाते। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन व बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने बताया कि आमतौर पर त्योहारों के दौरान बिक्री बढ़ जाती है, जो पूरे वर्ष होने वाली बिक्री का करीब 22-26 प्रतिशत है।

उन्होंने कहा, ''इस वित्तीय वर्ष में यात्री वाहन की कुल बिक्री 40 लाख इकाई के दायरे में रहने की उम्मीद है, त्योहारों के दौरान करीब 10 लाख इकाइयों की बिक्री होने की उम्मीद है। श्रीवास्तव ने कहा कि इस साल उद्योग में मजबूत बिक्री देखी गई और आने वाले महीनों में भी इसके जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''हमने इस वित्तीय वर्ष में बिक्री के मामले में अप्रैल, मई, जून और जुलाई में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन देखा है। जुलाई में करीब 3.52 लाख इकाइयों की एक महीने में अब तक की दूसरी सबसे अधिक बिक्री देखी गई। अगस्त में भी इसके 3.5 लाख इकाइयों के आसपास रहने की उम्मीद है। वाहन ऋण की उच्च दर भी चिंता का विषय है क्योंकि करीब 83 प्रतिशत उपभोक्ता कार खरीदने के लिए कर्ज लेते हैं। मारुति सुजुकी इंडिया के बिक्री अनुमानों के बारे में पूछे जाने पर श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनी को त्योहारों के दौरान बिक्री उनकी कुल वार्षिक बिक्री का करीब 22-25 प्रतिशत होती है। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) ने त्योहारों के दौरान खुदरा बिक्री में वृद्धि होने की उम्मीद जताई है।

ब्रिटेन में खुद की प्रॉपर्टी लेना हुआ मुश्किल, घर खरीदने में असमर्थ युवा, मां-बाप के साथ रह रहे हैं

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में युवाओं ने घर किराए पर लेने या खरीदने के बजाए अपने माता-पिता के साथ रहना शुरू कर दिया है। महंगाई इस कदर बढ़ गई है कि यहां के लोगों का खुद की प्रॉपर्टी लेना महंगा हो गया है। फिर चाहें वो रेंटल हो या खुद का घर, प्रॉपर्टी की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। महंगाई का आलम ये है कि लंदन शहर में एक कमरे का किराया 900 पाउंड के ऊपर जा चुका है। ब्रिटेन में रेंटल प्रॉपर्टी के रेट्स में कोरोना के बाद 17 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। ये जानकारी सेंसस और जूपला (रियल एस्टेट वेबसाइट) के आधिकारिक आंकड़ों में सामने आई है। देश में प्रॉपर्टी की बढ़ती कीमतों ने सभी उम्र के लागों के लिए घर खरीदना मुश्किल कर दिया है। पिछ्ले कुछ महीनों में भले ही प्रॉपर्टी की कीमतें घटी हैं लेकिन ये फिर भी कोरोना के बाद इसमें काफी इजाफा हुआ है।

हर 10 से में 1 युवा पेरेंट्स के साथ रह रहा

ब्रिटेन में 30 से 34 साल के दस में से एक युवा ऐसा है जो खुद का घर रेंट पर लेना अफ्फोर्ड नहीं कर पा रहा है जिसके चलते वो अपने पेरेंट्स के साथ रह रहे है। इंग्लैंड और वेल्स के 20 से 24 साल के 51 प्रतिशत युवा अपने माता-पिता के साथ रहना चुन रहे हैं। ये 2011 में इकट्ठे किए गए आंकड़ों से 7 अंक ज्यादा है। वहीं, 30 से 34 साल के दस में से एक युवा ऐसे हैं। इस ऐज ग्रुप में भी पिछ्ले दस साल के मुकाबले 8.6 प्रतिशत की बढ़त हुई है। वहीं, ब्रिटेन में 40 साल से नीचे की उम्र के 14.4 प्रतिशत लोगों के पास अपना घर नहीं हैं। इनमें से 14.1 प्रतिशत घर खरीदने की योजना बना रहे हैं। विशेषज्ञ डैनियल कोपले का कहना से पीछे हट रहे हैं। विशेषज्ञ डैनियल कोपले का कहना है कि घर खरीदने के लिए पिछ्ली पीढ़ियों के मुकाबले आज के युवा लोगों को ज्यादा बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक कि प्रति वर्ष 60 लाख से अधिक कमाने वाले अमीर लोग भी प्रॉपर्टी खरीदने के लिए पीछे हट रहे हैं। इनमें सिर्फ 5 में से एक का कहना है कि घर खरीदने के लिए जब सक्षम होंगे तभी लेंगे। पिछ्ली पीढ़ियों के मुकाबले आज के 38 प्रतिशत युवा अगले दशक में प्रॉपर्टी खरीदने का सपना छोड़ देंगे।

एक्स से कमा रहे पैसा तो जीएसटी की आप पर भी नजर, कंटेंट क्रिएटर्स को देना होगा टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया कंपनी एक्स (पूर्व में ट्विटर) से विज्ञापन राजस्व साझाकरण योजना के तहत यूजर्स को मिलने वाली आय को जीएसटी कानून के तहत आपूर्ति माना जाएगा और इस पर 18 प्रतिशत की दर से कर देना होगा। विशेषज्ञों ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति की किराए से आय, बैंक सावधि जमा पर ब्याज और अन्य प्रोफेशनल सर्विसेज सहित विभिन्न सेवाओं से कुल आय एक वर्ष में 20 लाख रुपए से अधिक हो जाती है, तो उस पर टैक्स लगेगा।

हाल ही में, एक्स ने अपने प्रीमियम ग्राहकों या सत्यापित संगठनों के लिए विज्ञापन राजस्व साझा करना शुरू किया है। इस राजस्व साझाकरण कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए अकाउंट में पिछले तीन महीनों में पोस्ट पर 1.5 करोड़ 'इंप्रेशन' और कम से कम 500 'फॉलोअर्स' होने चाहिए। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने हाल ही में एक्स से राजस्व हिस्सेदारी प्राप्त करने के बारे में ट्वीट किए हैं।

विशेषज्ञों ने कहा कि 20 लाख रुपए की सीमा की गणना के लिए ऐसी आमदनी को शामिल किया जाएगा जो आमतौर पर जीएसटी से मुक्त हैं। हालांकि, छूट वाली आय पर जीएसटी नहीं लगाया जाएगा। वर्तमान में, 20 लाख रुपए से अधिक की सेवाओं से राजस्व या आय अर्जित करने वाले व्यक्ति और संस्थाएं माल और सेवा कर पंजीकरण लेने के लिए पात्र हैं।

मिजोरम, मेघालय, मणिपुर जैसे कुछ विशेष श्रेणी के राज्यों के लिए यह सीमा 10 लाख रुपए है। एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ पार्टनर रजत मोहन ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति बैंकों से सालाना 20 लाख रुपए की ब्याज आय अर्जित करता है, और जो न तो जीएसटी का भुगतान करता है और न ही जीएसटी पंजीकरण कराया है।

उन्होंने आगे कहा कि अब, यदि वह व्यक्ति ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म से कोई अतिरिक्त कर योग्य आय, मान लीजिए एक लाख रुपए हासिल करता है, तो उसे जीएसटी पंजीकरण कराना होगा और 20 लाख रुपए से ऊपर की रकम यानी एक लाख रुपए पर 18 फीसदी जीएसटी लगेगा। नांगिया एंडरसन एलएलपी के पार्टनर संदीप झुनझुनवाला ने कहा कि कंटेंट मेकर्स ट्विटर से आय हासिल करता है तो वह जीएसटी के तहत 'सेवाओं का निर्यात' मानी जाएगी, क्योंकि ट्विटर भारत से बाहर है और परिणामस्वरूप, आपूर्ति का स्थान भारत के बाहर है।

न्यूजीलैंड में फलों और सब्जियों की कीमतें चढ़ीं, प्रधानमंत्री ने टैक्स हटाया

ऑकलैंड, एजेंसी। विश्वभर में जहां इस समय महंगाई से कोहराम मचा हुआ है, भारत समेत कई देशों में इस समय विभिन्न माल और सेवाओं की कीमतों में भारी बढ़ौतरी होने के कारण अर्थव्यवस्था में काफी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। न्यूजीलैंड में रोजमर्रा की जरूरतों की चीजों की कीमतें आसमान छूने से आम लोगों की पकड़ से दूर होती जा रही हैं। लगभग सभी सब्जियों व फलों की कीमतें 3 गुना तक हो गई हैं। यहां टमाटर प्रति किलो 13 से 17 डॉलर व प्याज 5 डॉलर प्रति किलो पहुंच गई है।

महंगाई को संभालने के लिए देश के प्रधानमंत्री क्रिस हिप्किन्स ने फलों और सब्जियों को जी.एस.टी. फ्री करने की घोषणा की है। सरकार का मानना है कि इस फैसले से सब्जियों के दामों में 15 प्रतिशत तक गिरावट आएगी जिससे लोगों की क्रय शक्ति में इजाफा होगा और देश की जी.डी.पी. में उछाल देखने को मिलेगा। चंद ही महीनों में राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में प्रधानमंत्री के निर्णय को विपक्ष ने चुनावी स्टंट करार दिया।

दिल्ली में सस्ते टमाटर की मेगा सेल, एनसीसीएफ ने 2 दिन में ही बेच डाले 71000 किलो

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र की मोदी सरकार जनता को टमाटरों की बढ़ती कीमत से निजात दिलाने के लिए जगह-जगह सस्ते दाम पर टमाटर बेच रही है। राजधानी दिल्ली के अंदर बीते दिन में 70 हजार किलोग्राम से ज्यादा टमाटर बेचे गए हैं। इन सरकारी आउटलेट्स पर टमाटर 70 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बेचे जा रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) ने रविवार को बताया कि उसने स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले आयोजित दो दिवसीय मेगा सेल में दिल्ली में रियायती दर पर 71,500 किलोग्राम टमाटर बेचे हैं ताकि उपभोक्ताओं को ऊंची कीमतों से राहत मिल सके। सहकारी संस्था ने एक बयान में कहा कि यह मेगा सेल दिल्ली के सीलमपुर और आरके पुरम जैसे 70 अलग-अलग स्थानों पर आयोजित की गई। इसमें कहा गया है कि 71,500 किलोग्राम टमाटर में से 36,500 किलोग्राम 12 अगस्त को बेचे गए, जबकि 35,000 किलोग्राम 13 अगस्त को बेचे गए। 11 जुलाई से एनसीसीएफ घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों पर काबू पाने के लिए उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की ओर से रियायती दर पर टमाटर बेच रहा है। यह मेगा सेल स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी। मंत्रालय ने कहा कि निरंतर हस्तक्षेप के कारण देश में लगभग सभी स्थानों पर कीमतें कम हो रही हैं।

टमाटर के बाद लहसुन के बढ़े दाम, रिटेल मार्केट में बिक रहा 178 रुपए किलो

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में महंगाई लगातार बढ़ती ही जा रही है और यह कम होने का नाम नहीं ले रही है। टमाटर की तरह अभी भी लहसुन का रेट 170 रुपए किलो के पार ही है। कई शहरों में तो इसकी कीमत 180 रुपए किलो के करीब पहुंच गई है। पटना में अभी एक किलो लहसुन की कीमत 172 रुपए है। वहीं, कोलकता में यह 178 रुपए किलो बिक रहा है। अगर हम तीन से चार महीने पहले की बात करें तो लहसुन काफी सस्ता था। मार्च महीने तक रिटेल मार्केट में यह 60 से 80 रुपए किलो बिक रहा था लेकिन मानसून के आगमन के साथ ही यह भी महंगा हो गया। पिछले साल थोक भाव में लहसुन काफी सस्ता था। मध्य प्रदेश की मंडियों में किसानों से 5 से 8 रुपए किलो लहसुन खरीदे गए थे। ऐसे में उचित कीमत नहीं मिलने की वजह से कई किसानों ने सड़क किनारे ही लहसुन फेंक दिया था लेकिन पिछले महीने कीमतों में उछाल आने के बाद सड़क पर लहसुन फेंकने वाले किसान इस साल मालामाल हो गए। उन्होंने थोक भाव में ही 150 रुपए किलो तक लहसुन बेचा। ऐसे में रिटेल मार्केट में आते-आते लहसुन और महंगा होगा। लहसुन के व्यापारियों का कहना है मध्य प्रदेश देश का सबसे बड़ा लहसुन उत्पादक राज्य है। यहां का मौसम और मिट्टी लहसुन की खेती के लिए उपयुक्त है। राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, देश में कुल उत्पादित लहसुन में मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी 62.85 प्रतिशत है लेकिन पिछले साल उचित रेट न मिलने की वजह से लहसुन उत्पादक किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ा। कई किसान कर्ज में डूब गए। ऐसे में किसानों ने इस साल लहसुन की खेती कम कर दी, जिससे करीब 50 प्रतिशत लहसुन का रकबा कम हो गया। ऐसे में डिमांड के हिसाब से बाजार में लहसुन की सप्लाई नहीं हो पाई। इसके चलते कीमतें अचानक बढ़ गई।

मध्य प्रदेश से दूसरे राज्यों में होती है लहसुन की सप्लाई

मध्य प्रदेश से पूरे देश में लहसुन की सप्लाई होती है। यहां से दक्षिण भारत, महाराष्ट्र और दिल्ली सहित कई राज्यों में लहसुन की आपूर्ति की जाती है, जब मध्य प्रदेश की मंडियों में ही लहुसन महंगे हो गए, तो दूसरे राज्यों में भी इसकी कीमतें बढ़ गईं। वहीं, रतलाम जिले के लहसुन उत्पादकों का कहना है कि किसानों ने पिछले साल हुए घाटे की वजह से लहसुन की खेती आधी कर दी थी लेकिन इस बार की कीमतों को देखते हुए फिर से रकबे में बढ़ोतरी करेंगे।

अप्रैल-जून में बिजली उत्पादन 1.3 प्रतिशत बढ़ाः सरकारी आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के बिजली उत्पादन में 2023 की अप्रैल-जून तिमाही में 1.3 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 17.1 प्रतिशत था। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार बिजली उत्पादन इस साल मार्च में 1.6 प्रतिशत और अप्रैल में 1.1 प्रतिशत घटा है। बिजली उत्पादन मई में 0.9 प्रतिशत और जून में 4.2 प्रतिशत बढ़ा। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-जून में बिजली उत्पादन 1.3 प्रतिशत बढ़ा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 17.1 प्रतिशत था। उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि बेमौसम बारिश के कारण बिजली उत्पादन, मांग और खपत प्रभावित हुई, जिसके कारण एयर कंडीशनर जैसे उपकरणों का कम उपयोग हुआ। आंकड़ों के मुताबिक बिजली उत्पादन जनवरी में 12.7 प्रतिशत और इस साल फरवरी में 8.2 प्रतिशत बढ़ा। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि जुलाई के बाद बिजली उत्पादन में सुधार होगा।

नकदी फसलों से जुड़े उद्योग को बढ़ावा देगी सरकार, नीति आयोग से मांगे सुझाव

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य मंत्रालय ने चाय और तंबाकू जैसी पांच नकदी फसलों से संबंधित विधेयकों के मसौदे पर अलग-अलग मंत्रालयों और सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग से सुझाव मांगे हैं। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने चाय, कॉफी, मसाले, रबर और तंबाकू की नकदी फसलों से संबंधित विधेयकों के लिए अलग-अलग सुझाव मांगे हैं। इन विधेयकों का मकसद नकदी फसलों से जुड़े उद्योग को बढ़ावा देना और व्यवसायों के लिए अनुकूल माहौल बनाना है। सलाह लेने के बाद वाणिज्य मंत्रालय इन विधेयकों को केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास मंजूरी के लिए भेजेगा। इनके नाम मसाला (प्रोमोशन एंड डेवलपमेंट) विधेयक, रबर (प्रोमोशन एंड डेवलपमेंट) विधेयक, कॉफी (प्रोमोशन एंड डेवलपमेंट) विधेयक, चाय (प्रोमोशन एंड डेवलपमेंट) विधेयक और तंबाकू बोर्ड (संशोधन) विधेयक हैं।

वाणिज्य विभाग ने 2022 में इन क्षेत्रों के दशकों पुराने कानूनों को निरस्त करने और उनके विकास को बढ़ावा देने और व्यवसायों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए नए कानून लाने का प्रस्ताव रखा था। अधिकारी ने कहा, इससे पहले नीति आयोग ने इन पांच विधेयकों पर मंत्रालय के साथ कुछ मुद्दे उठाए थे। अब सभी मुद्दों का समाधान हो गया है। वाणिज्य मंत्रालय ने चिंताओं को दूर करने के लिए इन मसौदा विधेयकों पर हितधारकों से विचार-विमर्श किया था।

चेहरे पर दही लगाने से मिलती है मनचाही चमक

दही कैल्शियम, प्रोटीन और कई जरूरी विटामिन का एक बेहतरीन स्रोत है। यह विटामिन डी के गुणों से भरपूर है जो आपकी त्वचा को बहुत सारे लाभ प्रदान कर सकता है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा से मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है और झुर्रियों और उम्र बढ़ने के शुरुआती लक्षणों से भी लड़ता है। इसके अलावा, लैक्टिक एसिड त्वचा को मुलायम और कोमल बनाकर मॉइस्चराइज करने में भी मदद करता है। यह चेहरे की चमक को भी बढ़ाता है, मुंहासों को निकलने से रोकता है, त्वचा से लालिमा को कम करता है और टैनिंग को दूर करने में भी मदद करता है।

एक मॉइस्चराइजर के रूप में कार्य करता है

अगर आपको लगता है कि आपने अपनी त्वचा से नमी खो दी है, तो आप दही को चेहरे पर लगा सकते हैं क्योंकि यह एक बेहतरीन मॉइस्चराइजर के रूप में कार्य करता है। रोजाना अपने चेहरे पर दही लगाने से आपको मुलायम, पोषित और कोमल त्वचा पाने में मदद मिल सकती है। बस थोड़ा सा दही लें और उसमें शहद मिला लें। इसे अच्छे से मिलाकर अपने चेहरे पर लगाएं। इसे लगभग 15 मिनट तक रहने दें और ठंडे पानी से अपना चेहरा धो लें।

सनबर्न से राहत दिलाता है

जब यूवी किरणें हमारी त्वचा के संपर्क में आती हैं, तो वे शरीर की कोशिकाओं को प्रभावित करती हैं और उन्हें सुस्त और तनी हुई दिखती हैं। इसलिए कभी-कभी गंभीर सनबर्न से चकत्ते और फफोले भी हो सकते हैं। प्रभावित क्षेत्रों पर दही लगाने से आपको कुछ राहत मिल सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि दही जिंक से भरपूर होता है और इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं।

मुहांसे रोकता है

हमारी त्वचा पर मुंहासों को रोकने के लिए दही आपका पसंदीदा उपाय होना चाहिए क्योंकि यह एंटी-इंफ्लेमेटरी और जीवाणुरोधी गुणों से भरपूर होता है। दही को मुंहासों वाली जगह पर लगाने से ये कम हो जाएंगे।

डार्क सर्कल्स को हल्का करता है

उन डार्क सर्कल्स से छुटकारा पाने के लिए कुछ ताजा दही लें और अपनी आंखों के नीचे लगाएं और इसे 10 मिनट तक रहने दें। जब यह हो जाए तो अपनी आंखों को ठंडे पानी से धो लें।

झुर्रियां

दही आपके स्किनकेयर रूटीन में शामिल होने वाली सबसे अच्छी सामग्री में से एक है। दही में लैक्टिक एसिड झुर्रियों को रोकने में मदद करता है और आपकी त्वचा को कसता है। दही विटामिन डी के गुणों से भरपूर होता है, जो झुर्रियों से लड़ने में मदद करता है। यह त्वचा को लंबे समय तक कोमल और कोमल बनाकर मॉइस्चराइज भी करता है।

फाइन लाइन्स

फाइन लाइन्स आपकी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया की शुरुआत होती हैं जो झुर्रियों में बदल जाती हैं। जब आपके चेहरे की मांसपेशियां बार-बार सिकुड़ती हैं तो आपके चेहरे पर फाइन लाइन्स बन जाती हैं।

विटामिन बी12 की कमी से नजर आने लगते हैं ये लक्षण

शरीर में विटामिन बी12 एक आवश्यक विटामिन होता है जिसे शरीर खुद नहीं बना सकता। इस विटामिन से ही शरीर की लाल रक्त कोशिकाएं और डीएनए (DNA) को बनने में मदद मिलती है। इसके साथ ही, विटामिन बी12 नर्वस सिस्टम को भी सही तरह से काम करने में मदद करता है। इस चलते शरीर में विटामिन बी12 की कमी होने पर शरीर कई रोगों का शिकार हो जाता है। ऐसे में वक्त रहते इस कमी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है। यहां जानिए किस तरह पहचानी जा सकती है विटामिन बी12 की कमी...

सांस फूलना

विटामिन बी12 की कमी होने पर सांस फूलने लगती है। बहुत ज्यादा कुछ मेहनत करने पर ऐसा हो तो समझ भी आता है लेकिन बिना किसी काम को किए या फिर एक से दो सीढ़ियां चढ़ने पर ही ऐसा होने लगे तो यह विटामिन बी12 की कमी का लक्षण हो सकता है।

धुंधला दिखाई देना

विटामिन बी12 की कमी से देखने में दिक्कत हो सकती है, खासतौर से चीजें धुंधली नजर आने लगती हैं। अनायास ही चीजें धुंधली दिखने लगे तो डॉक्टर से संपर्क करना अनिवार्य हो जाता है।

त्वचा का पीला पड़ना

विटामिन बी12 की कमी से त्वचा पीली नजर आने लगती है। पीली पड़ती स्किन इस बात की तरफ इशारा है कि शरीर में रेड ब्लड सेल्स कम बन रही हैं जोकि विटामिन बी12 की कमी के चलते होता है।

कमजोरी और थकान

विटामिन बी12 की कमी से शरीर में कमजोरी महसूस होने लगती है। थोड़ी देर भी कुछ काम करने पर थकान घेर लेती है। ऐसा रेड ब्लड सेल्स कम बनने और रक्त प्रवाह ठीक तरह से ना हो पाने की वजह से होता है। ऐसे में अनीमिया भी हो सकता है।

मानसिक सेहत पर पड़ता है असर

जिस व्यक्ति के शरीर में विटामिन बी12 की कमी होने लगती है उसे मानसिक दिक्कतें भी घेरना शुरू कर देती हैं। याद्दाश्त का कम होना और अवसाद होना विटामिन बी12 की कमी के लक्षणों की गिनती में आता है।

पीठ दर्द को ठीक करने के कुछ आसान तरीके

कमर दर्द के कई कारण होते हैं। कई लोगों को गलत पॉश्चर के कारण भी कमर दर्द की शिकायत होती है। हालांकि आपके पीठ दर्द को ठीक करने के कुछ आसान तरीके भी हैं। व्यायाम करना, स्ट्रेचिंग करना, अच्छे गद्दे पर अच्छी नींद लेना दर्द से राहत पाने के कुछ तरीके हैं, लेकिन अगर दर्द बना रहता है, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत हो सकती है। पीठ दर्द बहुत आम हो गया है। अगर आप भी कमर दर्द से जूझ रहे हैं तो यहां आपके लिए हम कुछ प्रभावी तरीकों के बारे में बता रहे हैं जिन्हें आप पीठ दर्द को कम करने के लिए फॉलो कर सकते हैं।

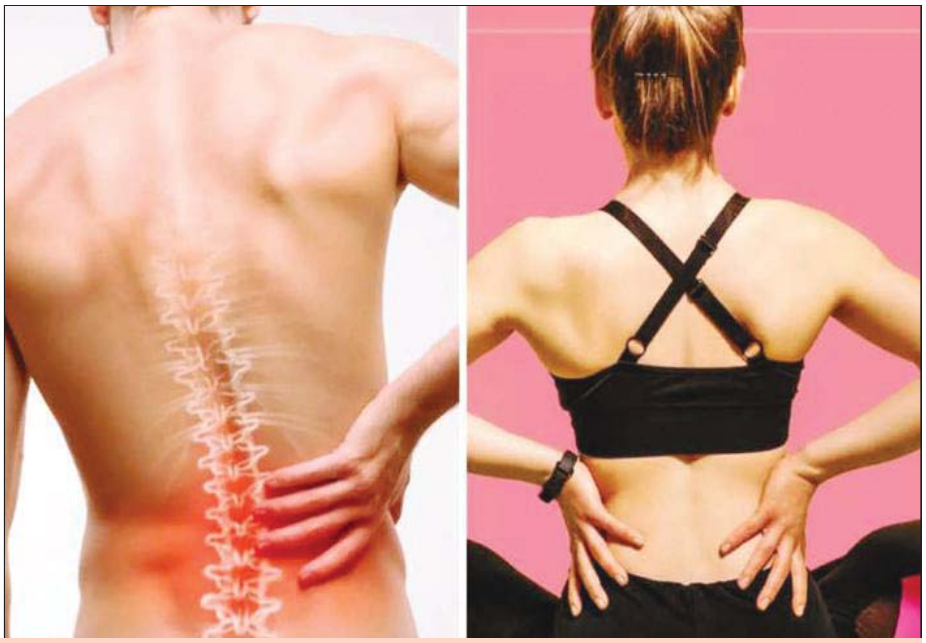

व्यायाम

पीठ दर्द के सबसे बेहतरीन उपचारों में से एक नियमित व्यायाम है। चलने जैसा सरल व्यायाम बहुत मददगार हो सकता है क्योंकि इससे लोग अपने बैठने की पॉजिशन से बाहर निकलते हैं और अपने शरीर को न्यूट्रल और सीधी स्थिति में रखते हैं।

स्ट्रेचिंग

पीठ दर्द को रोकने और फ्लेक्सिबिलिटी को बनाए रखने के लिए स्ट्रेचिंग भी जरूरी है। यह पीठ की चोट से उबरने का एक मददगार तरीका है। हमेशा व्यायाम या अन्य जोरदार फिजिकल एक्टिविटी से पहले और सोने से पहले भी स्ट्रेचिंग करें।

नींद पूरी लें

पीठ दर्द से राहत के लिए हमेशा एक सख्त सतह पर सोएं न कि मुलायम गद्दे जो आपकी पीठ को अलाइनमेंट से बाहर कर दें। इसके अलावा अपनी रीढ़ की हड्डी में किसी भी कर्व को कम करने के लिए सही पॉजिशन में सोएं।

हेल्दी वेट बनाए रखें

हेल्दी वेट बनाए रखने से भी पीठ दर्द कम हो सकता है। फलों और सब्जियों से भरी हेल्दी डाइट का सेवन करें और मोटापे से बचने के लिए प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन कम करें। फिट रहना कमर दर्द के लिए सबसे अच्छे उपचारों में से एक है क्योंकि एक्स्ट्रा वेट आपकी पीठ पर दबाव डाल सकता है जिससे और चोट लग सकती है।

धूम्रपान छोड़ें

धूम्रपान सिर्फ आपके फेफड़ों को ही नुकसान नहीं पहुंचाता है, यह आपकी पीठ को भी खराब कर सकता है। माना जाता है कि धूम्रपान से रीढ़ के निचले हिस्से में ब्लड फ्लो कम हो जाता है और रीढ़ की हड्डी की डिस्क खराब हो सकती है। अध्ययनों से पता चलता है कि धूम्रपान करने वालों को धूम्रपान न करने वाले की तुलना में पीठ दर्द होने की अधिक संभावना होती है।

आजादी के दिन अक्षय कुमार को मिला बड़ा तोहफा, सरकार ने दी भारतीय नागरिकता

15 अगस्त यानी आजादी के दिन बॉलीवुड फिल्म स्टार अक्षय कुमार को भारत देश की नागरिकता मिल गई है। इस बात की जानकारी खुद अक्षय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर कर दी है। उन्होंने लिखा कि अब दिल और सिटिजनशिप दोनों हिंदुस्तानी है। अभी तक खिलाड़ी कुमार के पास कनाडा देश की नागरिकता थी। इसको लेकर वह काफी बार ट्रोल भी हो चुके हैं। उन्हें कई बार सोशल मीडिया पर भी भला बुरा कहा जाता था। इसी वजह से उन्हें कनेडियन कुमार भी कहा जाता था। आपको बता दें, अक्षय ने भारत कनाडा की नागरिकता उस समय ली थी जब भारत में उनकी फिल्में लगातार फ्लॉप हो रहीं थी।

इस दौरान वह बहुत निराश थे, तभी उनके एक दोस्त ने सलाह दी और खिलाड़ी कुमार ने कनाडा में बसने का फैसला किया। इसके बाद उन्होंने वहां के पासपोर्ट के लिए आवेदन दिया और अक्षय को वहां की नागरिकता मिल गई। इसके बाद से ही वह ट्रोलिंग का शिकार होने लगे थे, इस बात का खुलासा उन्होंने खुद कॉफी विद करण में किया था। उन्होंने यह भी बताया था कि कुछ यूजर्स उन्हें कनाडा कुमार कहकर भी बुलाते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि इससे उन्हें कुछ फर्क नहीं पड़ता। अक्षय को कनाडा की नागरिकता साल 2011 में कनाडाई संघीय चुनाव के दौरान मिली थी। हालांकि उन्होंने 2019 में कनाडा की नागरिकता छोड़ने का फैसाल कर लिया था। इसके लिए उन्होंने भारतीय पासपोर्ट के लिए भी आवेदन किया था। अब अक्षय कुमार एक बार भारतीय नागरिक हो गए हैं।

60 साल की उम्र के बाद जब बॉलीवुड के इन 6 एक्टर ने दी ब्लॉकबस्टर फिल्में, कलेक्शन देख हिल गए थे यंग हीरो भी

बॉलीवुड में फिल्मों की कमाई के आकलन का तरीका अब इस पर निर्भर करता है कि पहले वीकेंड में उनकी फिल्मों ने कितनी कमाई की है. अगर पहले दिन में फिल्म सौ करोड़ के आसपास पहुंच जाती है तो समझिए कि वो जबरदस्त हिट है.

इसके बाद पहले हफ्ते की कमाई का आकलन शुरू होता है. बीते कुछ सालों से शुरू हुए इस ट्रेंड का हिस्सा सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान की फिल्में आसानी से बन जाती हैं.

अक्षय कुमार भी सौ करोड़ी क्लब में कई बार नाम दर्ज करवा चुके हैं. लेकिन बहुत से ऐसे स्टार हैं जिन्हें इस क्लब में शामिल होने का मौका करियर शुरू होने के काफी साल बाद मिला.

सनी देओल के नाम पर कई हिट फिल्में दर्ज हैं. लेकिन गदर 2 के जरिए इस क्लब में पहले ही सप्ताह एंट्री लेने का मौका उन्हें पहली बार मिला है. घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने पहले ही हफ्ते जबरदस्त कमाई करते हुए सौ करोड़ी क्लब में एंट्री ले ली है.

अमिताभ बच्चन - अमिताभ बच्चन ने भी फिल्मों में कामयाबी का जो सिलसिला रचा उसके बाद उन्हें सदी के महानायक का दर्जा तक मिला. दिलचस्प बात ये है कि सौ करोड़ी क्लब में शामिल होने का मौका उन्हें दूसरी पारी में भी काफी लेट मिला. उनकी फिल्म ठग्स ऑफ हिंदुस्तान और ब्रह्मास्त्र उनकी पहली और दूसरी सौ करोड़ी मूवीज थीं.

अनुपम खेर - एक दौर था जब अनुपम खेर हर दूसरी फिल्म में नजर आया करते थे. लेकिन सौ करोड़ के क्लब में पहुंचने का मौका मिला द कश्मीर फाइल्स के साथ. जिस

मिथुन चक्रवर्ती - मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म डिस्को डांसर सौ करोड़ कमाने वाली बॉलीवुड की पहली फिल्म मानी जाती है. लेकिन तब तक क्लब्स का ये चलन शुरू नहीं हुआ था. उस फिल्म के तकरीबन 40 साल बाद पिछले साल उनकी भी द कश्मीर फाइल्स इस क्लब में पहुंची और उनका नाम भी इस क्लब में दर्ज हो गया.

अनिल कपूर - अनिल कपूर के झक्कास अंदाज के ढेरों फैन्स हैं लेकिन इस अंदाज के साथ सौ करोड़ क्लब तक पहुंचने में उन्हें लंबा वक्त लगा. उन्हें ये मौका फिल्म जुग जुग जियो के जरिए मिला.

संजय दत्त - संजय दत्त की लाइफ और करियर दोनों उतार चढ़ाव से भरपूर है. इनके बीच सौ करोड़ के क्लब तक पहुंचने में उन्हें लंबा सफर तय करना पड़ा. मौका मिला अग्निपथ, केजीएफ 2 और सन ऑफ सरदार के जरिए.

41 साल के हीरो के साथ कभी बॉलीवुड ने किया था पक्षपात, अब है 460 करोड़ नेटवर्थ

साउथ सिनेमा और बॉलीवुड के साथ में कई प्रोजेक्ट्स इन दिनों देखने को मिल रहे हैं. साउथ की बढ़ते क्रेज को देखते हुए कई बॉलीवुड स्टार्स इस इंडस्ट्री में कदम रख रहे हैं. लेकिन साउथ के कुछ बड़े स्टार्स हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में आने का फिलहाल मन नहीं बना रखा है. इनमें एक एक्टर ऐसा भी है, जिसके साथ कभी बॉलीवुड ने पक्षपात किया था. वह बात इस हीरो के दिल में ऐसी लगी कि आज वह बॉलीवुड के बड़े बड़े प्रोजेक्ट ठुकरा देता है. उगते सूरज को ही सलाम किया जाता है, ये बात हर इंडस्ट्री में फिट बैठती है. जिस साउथ स्टार की हम बात कर रहे हैं, उसके बॉलीवुड डेब्यू के लिए फैंस तरस रहे हैं. कई बड़े निर्देशक उनके पास फिल्में लेकर जा चुके हैं लेकिन हर बार जवाब 'ना' होता है.

हम जिस सुपरस्टार की बात कर रहे हैं, वह हैं स्टाइलिश स्टार और सबके 'बन्नी' अल्लू अर्जुन. अल्लू साउथ सिनेमा का बड़ा नाम हैं और उनकी फिल्में अब नाम से बिकती हैं. साउथ में अल्लू की फेम शाहरुख खान और सलमान खान जितनी ही है. लेकिन एक वक्त ऐसा भी था जब अल्लू ने खुद को स्थापित करने के लिए काफी स्ट्रगल किया. अल्लू अर्जुन का जन्म 8 अप्रैल 1982 को मद्रास में हुआ था. अल्लू 1985 में फिल्म 'विजेता' से चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर डेब्यू किया था. इसके बाद फिल्म 'गंगोत्री' से उन्होंने डेब्यू किया था. करियर के शुरूआती दौर में जब अल्लू खुद को स्थापित करने की कोशिश कर रहे थे तो उन्होंने बॉलीवुड की तरफ रुख करने का भी विचार किया था. बॉलीवुड ने तब अल्लू के साथ पक्षपात किया और उन्हें हमेशा ऐसे ही प्रस्ताव मिले, जिसमें वे सैकंड लीड में थे. यानी बॉलीवुड हीरो का किरदार उनसे स्ट्रॉन्ग रहता था. ऐसे में अल्लू को ये प्रस्ताव अच्छे नहीं लगे और उन्होंने बॉलीवुड से दूरी बना ली. लेकिन समय का पहिया ऐसा घूमा कि आज बॉलीवुड के कई बड़े निर्देशक उन्हें अपनी फिल्म में लेना चाहते हैं.

अल्लू अर्जुन आज अपने अनुसार, स्क्रिप्ट में बदलाव करने में सक्षम हैं. उनकी गिनती साउथ के महंगे एक्टर्स में होती है. अल्लू अर्जुन अब जल्द ही 'पुष्पा 2' में नजर आएंगे. सुकुमार निर्देशित 'पुष्पा' ने रिकॉर्ड कमाई की थी. फिल्म में एक बार फिर रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल नजर आएंगे. अल्लू की फीस की बात करें तो वे एक फिल्म के 125 करोड़ रुपये तक लेते हैं. उनकी नेटवर्थ 460 करोड़ रुपये है.

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email -editor@rokthoklekhaninews.com .